CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-193
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

समय, शक्ति और पैसा,
कभी भी एक साथ नहीं आते!

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सेना के जवानों ने ली क्रेन की मदद

14 दिनों बाद पानी से निकला हेलीकाप्टर...

मुजफ्फरपुर। बाढ़ राहत सामग्री पहुंचाने के दौरान औराई के मधुबन बेसी में एयरफोर्स के जिस हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई, अब उसे निकाल लिया गया हैं. भारतीय वायुसेना के जवान और अधिकारी कई दिनों से हेलीकाप्टर को निकालने का प्रयास कर रहे थे. वहीं बुधवार की देर शाम क्रेन की मदद से हेलीकाप्टर को निकाल लिया गया. करीब 14 दिनों के बाद हेलीकाप्टर पूरी तरह से पानी से निकाल लिया गया.

आपको बता दें कि बीते 2 अक्टूबर को दरभंगा से सीतामढ़ी इलाके में बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुंचाने के दौरान इंजन में खराबी आ गई थी, जिसके बाद औराई के मधुबन बेसी में बीच पानी में इसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी. वहीं बीते 13 अक्टूबर को वायुसेना के अधिकारी इसे निकालने की कवायद में जुट गये थे. 4 दिन की मशक्कत के बाद हेलीकाप्टर को क्रेन से निकाल लिया गया, उसके बाद उसे कन्टेनर पर लोड करके ले जाया गया. इस रेस्कयू के दौरान 24 जवान लगे थे.

आज से 4 दिन पहले हेलीकॉप्टर को पानी से निकालने के लिए बिहार के मुजफ्फरपुर में सेना के जवानों की पूरी टीम बेसी गांव पहुंची थी.

जिसके बाद 4 ट्रक और कई मशीन लेकर सेना के जवान मौके पर काम में जुट गए थे. इतना ही नहीं हेलीकॉप्टर को निकालने के लिए क्रेन भी बुलाई गई थी. दरअसल बिहार के मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड के घनश्यामपुर पंचायत के मधुवन बेसी गांव में बीते दिनों पानी के बीच हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गयी थी. जानकारी के अनुसार बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री पहुंचाने के लिए उड़ान भर रहे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गयी थी, जिसके बाद पानी में ही हेलीकॉप्टर की लैंडिंग कराई गयी थी. उसके बाद से यह हेलीकॉप्टर पानी में ही फंसा हुआ था.

सिवान जिला प्रशासन ने की पुष्टि

बिहार में जहरीली शराब पीकर मरने वालों की संख्या हुई 28

बिहार के सिवान में जहरीली शराब पीने से 28 लोगों के मरने की खबर सामने आ रही है। सीवान जिला प्रशासन ने प्रेस रिलीज जारी कर 28 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जब कि 79 लोगों के बीमार होने की बात बताई गई है। जिसमें 8 व्यक्ति का ईलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। वहीं, 13 लोगों को PMCH पटना रेफर किया गया है। 30 लोगों को सफलतापूर्वक ईलाज कर के डिस्चार्ज कर उन्हें घर भेज दिया गया है।

बिहार में जहरीली शराब त्रासदी पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा, मैं कह रहा हूं कि बिहार में पूरी तरह से शराबबंदी लागू है। शराबबंदी सबकी सहमति से लागू हुई है। इसे पूरी तरह से लागू करने के लिए सब सहयोग करें और ऐसे अपराधी को बचाने का खेल बंद करें। उन्होंने आगे कहा कि, सरकार मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। इस तरह का वातावरण बनाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। उस जिले में पहले भी इस प्रकार की घटना घटी थी। मैंने पहले भी इस घटना की निंदा की थी आज भी करता हूं। ऐसे अपराधी RJD से जुड़े हैं, आज भी शराब के अवैध धंधे में कौन लोग लगे हैं? शराब बनाने वाले लोगों को उम्मीदवार कौन लोग बनाते हैं? RJD से शराब का कारोबार करने वाले

उम्मीदवार बनते हैं।

आरजेडी ने सरकार पर बोला हमला

जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत को लेकर विपक्ष ने सरकार की आलोचना की है। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि जहरीली शराब पीने से लोगों की जान गई है। यह बहुत दुखद और चिंता का विषय है कि शराबबंदी कानून होने के बावजूद बिहार में जहरीली शराब हर बार देखने को मिलती है कि किस तरह जहरीली शराब से लोगों की मौत होती है।

तिवारी ने आरोप लगाया कि शराब माफियाओं को सरकार का संरक्षण है और जब तक उन्हें सरकार का संरक्षण है। शराबबंदी लागू है लेकिन कानून का उल्लंघन हो रहा है। एनडीए सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है। शराबबंदी कानून लागू होने पर इस तरह से नकली शराब कैसे मिल रही है?

मुजफ्फरपुर में सब इंस्पेक्टर के सर्विस पिस्टल से चली गोली, दारोगा घायल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मीनापुर थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर ऋतु रंजन गोली लगने से घायल हो गया। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि एसआई ऋतुरंजन अपनी पिस्टल को साफ कर रहे थे। उसी दौरान पिस्टल से मिस हैंडलिंग हो गया जिस वजह से गलती से फायर हो गया और एक गोली उसके पैर में जा लगी। गोली चलते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। आसपास मौजूद पुलिसकर्मी घायल ऋतु रंजन को इलाज के लिए अस्पताल ले गये, जहां वह खतरे से बाहर बताया गया है।

सर्विस पिस्टल साफ करने के दौरान चली गोली

घटना के संबंध में मीनापुर के थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात्रि करीब 8.50 बजे की घटना है, जब रेड करने के लिए पुलिस की टीम तैयार हो रही थी। इसी दौरान थाने के एक पीएसआई ऋतु रंजन के द्वारा अपने थाना के आवासीय परिसर में अपनी सर्विस पिस्टल साफ करने के दौरान एक गोली फंस गई थी। इस दौरान उनका पिस्टल बैड हैंडलिंग के कारण एक गोली फायर होकर उनके पैर में लग गई। गोली चलते ही आसपास मौजूद पुलिसबल घटनास्थल पर पहुंचे।

उन पुलिसकर्मी ने ऋतू रंजन को आननफानन में एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में ले गये, जहां से उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल ऋतू रंजन का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।अभी घायल पुलिस एसआई ऋतु रंजन की हालत सामान्य है और वह खतरे से बाहर है।

गिरिराज सिंह की हिन्दू स्वाभिमान यात्रा आज से शुरू

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में यात्राओं की सियासत का दौर शुरू हो चुका है। पहले तेजस्वी यादव ने आरजेडी की संवाद यात्रा निकाली तो आज से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर निकाल रहे हैं। सीमांचल से शुरू हो रही गिरिराज सिंह की इस यात्रा को लेकर विपक्षी दलों में हलचल तेज है। आरजेडी और कांग्रेस ने जहां गिरिराज के हिंदू स्वाभिमान यात्रा पर निशाना साधा है तो बीजेपी के सहयोगी जेडीयू ने भी गिरिराज सिंह को नसीहत दी है। लेकिन सीमांचल में होने वाली यात्रा को लेकर सबसे बड़ा हमला पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने किया है। पप्पू यादव ने कहा कि गिरिराज सिंह यात्रा करें, हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अमन और सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश हुई तो मेरे लाश पर से आपको गुजरना होगा।

हिंदुओं को एकजुट करने के लिए यात्रा: भागलपुर से शुरू होने वाली स्वाभिमान यात्रा का पहला चरण सीमांचल से होकर गुजरने वाला है जिसका नेतृत्व स्वामी दीपांकर करेंगे। गिरिराज सिंह ने कहा कि इस यात्रा में हिंदुओं को %बंटोगे तो कटोगे% का संदेश दिया जाएगा और जाति छोड़ कर धर्म को मजबूत करने की अपील की जाएगी।

यात्रा का पहला चरण भागलपुर से शुरू होकर कहां कहां से गुजरेगा?

18 अक्टूबर भागलपुर
19 अक्टूबर को कटिहार
20 अक्टूबर को पूर्णिया
21 अक्टूबर को अररिया होते हुए
22 अक्टूबर को किशनगंज में समापन होगा।

पप्पू यादव ने किया चैलेंज

सीमांचल में होने वाली गिरिराज सिंह की इस यात्रा को पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने चैलेंज किया है। पप्पू यादव ने कहा कि गिरिराज विकास के लिए यात्रा निकालते तो मेरा समर्थन होता लेकिन ये यात्रा माहौल और सौहार्द बिगाड़ने के लिए निकाली जा रही है। पप्पू यादव ने ये भी कहा है कि अगर सीमांचल का सौहार्द बिगड़ा तो यात्रा मेरी लाश से होकर गुजरेगी। वहीं गिरिराज सिंह ने अपनी यात्रा पार्टी पॉलिटिक्स से अलग बताते हुए हिंदू स्वाभिमान यात्रा बताया है।

अशांति फैलाना चाहते हैं गिरिराज- तेजस्वी

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले यात्रा के जरिए अपने वोट बैंक को साधने निकले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी गिरिराज सिंह के हिंदुओं को एकजुट करने के एजेंडे पर कटाक्ष किया।

तेजस्वी ने कहा, गिरिराज यात्रा के जरिए अशांति फैलाना चाहते हैं तो वहीं बिहार में बीजेपी की सहयोगी जेडीयू को अपने सेक्युलर छवि की चिंता सताने लगी है और यहीं कारण है कि जेडीयू ने गिरिराज सिंह को संविधान की शपथ की याद दिलाई है। हालांकि गिरिराज सिंह ने साफ कर दिया है कि ये यात्रा गैर राजनीतिक है जिसका बीजेपी और NDA से कोई लेना देना नहीं है।

मथुरा में हादसे में गया के पांच लोगों की मौत ईंट भट्ठा पर जा रहे थे दोनों, ऐसे हुआ हादसा

गया जिले के कोंच थाना क्षेत्र के हिछापुर बीघा के रहने वाले 2 परिवार के 5 लोगों की यूपी के मथुरा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। घटना गुरुवार की है। 16 अक्टूबर को गया से दो वक्त की रोटी की तलाश में परिवार निकला था। सभी लोग हरियाणा के पलवल जिले के होडल स्थित ईंट भट्ठा पर काम करने के लिए पिकअप वैन से जा रहे थे। उसी समय अचानक बिजली के खंभे से वाहन जा टकराया। वाहन में बैठे लोग बचने के लिए सभी लोग कूदने लगे। इसी बीच पिकअप वैन चालक गाड़ी को पीछे ले लिया और घटना स्थल पर ही 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इनमें 35 वर्षीय गौरी देवी, उसकी 2 साल की बेटी कोमल, 28 वर्षीय कुंती देवी, उनकी दो साल की बेटी प्रियंका, मोनी देवी की मौत हो गई है। वहीं करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए है। घटना के बाद गांव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पूरा गांव सदमे में हैं। काम की तालाश में मृतक के सभी परिवार साथ में गए हुए थे।

ईंट भट्ठा पर काम करने के लिए निकले थे

इस संबंध में स्थानीय उतरेन पंचायत के मुखिया राम निवास प्रसाद ने बताया कि दर्दनाक घटना में पांच की मौत सूचना आई है। गांव से मांझी समाज के लगभग डेढ़ दर्जन लोग ईंट भट्ठा पर काम करने के लिए निकले थे। आज दोपहर बाद सभी मृतकों के शव गया पहुंचने की संभावना है। सभी मृतक दो परिवार के हैं। कई लोग वहां के अस्पताल में भर्ती है जिनका इलाज चल रहा है।

पीएम मोदी ने बिहारवासियों को दिया दिवाली गिफ्ट...

पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी बिहारवासियों को दिवाली का तोहफा दिया है। मोदी सरकार ने पटना से पश्चिम चंपारण (बेतिया) जाने वाली सड़क के (एनएच 139) चौड़ीकरण का निर्णय है। इसके लिए केंद्र सरकार ने 1712.33 करोड़ की राशि को स्वीकृति दी गयी है।

इस योजना के कारण अब पटना से बेतिया जाने वाले लोगों की यात्रा सुगम हो जायेगी।

25 अंडरपास और एक रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा

गुरुवार को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की थी। उन्होंने कहा था कि एनएच 139ङ्घ को चौड़ा किया जाएगा। इसकी लंबाई 44.65 किलोमीटर है। इसमें मानिकपुर से साहेबगंज तक चौड़ीकरण किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह परियोजना बौद्ध सर्किट के रास्ते में पटना से बेतिया तक हाई स्पीड कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी। इससे वैशाली, मुजफ्फरपुर समेत आसपास के जिलों में पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत एक बड़ा पुल, तीन फ्लाइओवर, 25 अंडरपास और एक रेलवे ओवरब्रिज बनाया जाएगा।

वैशाली के लोगों में खुशी का माहौल है

वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग की स्वीकृति प्रदान होने के बाद वैशाली के लोगों में खुशी का माहौल है। इससे स्थानीय स्तर पर भी लोगों का आमदनी बढ़ेगी वह पर्यटक के सुविधा को देखते हुए पटना से लेकर बेतिया तक एक बेहतरीन सड़क पर्यटक को उपलब्ध हो जाएगा। इससे पर्यटक को एक जगह से दूसरे जगह तक जाने में काफी आसानी होगी। इससे मुजफ्फरपुर जिला को भी धार्मिक पर्यटक स्थल को भी काफी लाभ मिलेगा। वहीं पटना के पर्यटक को भी इस राष्ट्रीय राजमार्ग वन जाने के बाद काफी लाभ होगी।